धान में एकीकृत कीट एवं बीमारी प्रबन्धन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअनुप-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली की फसल विज्ञान इकाई द्वारा धान में एकीकृत कीट एवं बीमारी प्रबन्धन विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनाॅक 05 से 6 सितम्बर, 2017 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में रोपाई पश्चात धान की विभिन्न अवस्थाओं में लगने वाले कीट एवं बीमारियों के सम्बन्ध में पाॅवर प्वांइट के माध्यम से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में धान में होने वाले प्रमुख रोगों जैसे पत्ती का झुलसा, झोंका, शीथ ब्लाइट, भूरा धब्बा आदि एवं कीटों जैसे तना छेदक, भूरा फुदका, सफेद पीठ वाला भूरा फुदका, हरा फुदका, गन्धी कीट आदि की पहचान तथा इनके शस्य वैज्ञानिक, यान्त्रिक, रसायनिक एवं जैविक नियंत्रण के बारे में चर्चा की गई। साथ ही धान की फसल के मित्र कीटों एवं मित्र जीवाणु, फॅफूद आदि के बारे में भी जानकारी दी गई। इन सबका विवेकानुसार मिलाजुला प्रयोग कर कम से कम लागत में फसल की बेहतर सुरक्षा कैसे की जा सकती है इसकी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सेवानिवृत विशेषज्ञ डा0 पी0एल0 रावत ने जैविक एवं

यान्त्रिक विधियों, नीम की खली, नीम का तेल, ट्राइकोडर्मा, स्यूडोमोनास, ट्राइकोकार्ड आदि के उपयोग के सम्बन्ध में जानकारी दी। कार्यक्रम में निर्यात योग्य बासमती धान की खेती विषय पर चलचित्र प्रदर्शन भी किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम रहपुरा करीमबक्श विकासखण्ड फतेहगंजपश्चिमी के 25 कृषकों ने भाग लिया।